

नई शिक्षा नीति एवं योग पर वेबिनार

सागर: 09.11.2020:-

नई शिक्षा नीति में योग को प्रमुख विषय बनाया जाना आवश्यक – प्रो० गिरि

योग विभाग में नई शिक्षा नीति एवं योग पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन शिक्षा अध्ययन शाला के अधिष्ठाता एवं योग विभागाध्यक्ष प्रो०जी०एस०गिरि की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रो० गिरि ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है साथ ही विज्ञान का सबसे उत्तम विषय है जो न केवल शारीरिक बल्कि,मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्तर पर भी कार्य करता है। इसकी चर्चा वेद, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, व अन्य समस्त पवित्र ग्रंथों में है। योग अपने आप को जानने के साथ हमें अपनी समस्त शक्तियों से वैज्ञानिक तरीकों से परिचित कराता है। इसका महत्व स्वीकार करते हुये सन् 2014 में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सकारात्मक प्रयास द्वारा संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में केवल 90 दिन के अंदर 170 देशों द्वारा 21 जून को योग दिवस मानने की मंजूरी मिल गई थी। नई शिक्षा नीति में इसी विकास क्रम को देखते हुए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में योग शिक्षा को मुख्य विषय के रूप में शामिल किया जाना आवश्यक है।

डॉ.नितिन कोरपाल ने कहा की वर्तमान में लागू होने वाली प्रभावशाली नई शिक्षा प्रणाली में योग विषय को माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा के उप विषय एवं कौशल विषय के स्थान पर एक स्थाई विषय के रूप में स्थान देकर योग के सही ज्ञान को छात्र-छात्राओं तक पहुँचाया जा सकता है क्योंकि बाल्य काल विशेष का विद्यार्थी जीवन में बच्चों का मन कच्ची मिट्टी की तरह होता है जिसे सुगमता के साथ कोई भी आकार दिया जाता है। वर्तमान काल में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ उसके मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास पर ध्यान दिया जाये। यदि बालक का सर्वांगीण विकास होगा तो वह आगे चलकर साबल, निरोगी, एवं प्रबुद्ध युवा बनेगा जो जीवन की सभी चुनौतियों एवं कठिनाईयों का सामना कुशलता पूर्वक करने में सक्षम होगा।

डॉ.अरुण कुमार साव ने कहा कि शिक्षा वह है जो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा से चरित्र और सर्वांगीण मानवीय पक्षों का विकास होता है। डॉ.साव ने 1948, 1952, 1964, 1968, 1986, 1992 में गठित समितियों द्वारा प्रस्तुत शिक्षा नीति के इतिहास पर चर्चा करते हुए नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला और इस नई नीति को समसामयिक बताया। डॉ.ब्रजेश ठाकुर ने आयुष अर्थात् आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथी का वर्तमान में नवीन शिक्षा नीति में विशिष्ट स्थान बताया तथा नए अनुसंधानों पर बल देते हुए योग द्वारा समग्र मानव विकास की संकल्पना स्पष्ट की।

दिनेश ने शिक्षा नीति के इतिहास पर चर्चा करते हुए इनके दुष्प्रभावों को ईर्ष्या, अवसाद, भय, अनिश्चितता का हेतु बताया। दिनेश ने तर्क देते हुए कहा कि पूर्व की नीतियों ने विद्यार्थी को केवल जीवीकोपार्जन तक सीमित किया और बेरोजगारी ने इन दुष्प्रभावों को बढ़ा दिया। वर्तमान में नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने बहुत कुछ इस समस्या का हल ढूँढने का खाका प्रस्तुत किया है क्योंकि ये मनोवैज्ञानिक समस्याएँ योग के माध्यम से दूर की जा सकती हैं।

ज्योति शर्मा ने उपनिषद् में वर्णित आश्रम और गुरुकुल पद्धति की चर्चा करते हुए इनसे मानव व्यक्ति के विकास की बात की। इस शिक्षा नीति में ज्ञान के माध्यम से कर्तव्य बोध का भाव विद्यार्थियों में जाग्रत होगा। महेन्द्र शर्मा ने शिक्षा नीति में बदलाव को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत की ज्ञान विज्ञान परंपरा का विकास इस नीति के माध्यम से होगा। हमारे देशज ज्ञान अर्थात् योग शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले आदान प्रदान से हमारी संस्कृति और परंपरा को नवीन आयाम प्राप्त होंगे। प्रवेश ने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के कौशल विकास पर बहुत अधिक बल दिया गया है।

विभागीय शोध छात्र श्री महेन्द्र शर्मा ने सत्र का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में विशेषरूप से आयुषी द्विवेदी, कोमल, पूजा जैन, चित्रांश,रोहित पाठक, आकांक्षा, नैनसी, शिवानी, हर्षिता, वेदांत, अंकित सेमवाल और संजय चौधरी आदि की उपस्थिति प्रमुख रही।

Workshop on
New Education Policy & Yoga
09-11-2020

organized by
Department of Yoga Education
Dr.Harisingh Gour University, Sagar (M.P.)

Name	Time
Dr.Arun Sao	10.00AM
Mr.Dinesh Tomer	10.20AM
Miss. Komal Saini	10.40AM
Mr.Pravesh Jatav	11.00AM
Miss.Jyoti Sharma	11.20AM
Mr.Mahender Sharma	11.40AM
Dr.Brajesh Thakur	12.00AM
Miss.Pragya Sao	12.20AM
Dr.Nitin Korpai	12.40AM

Note:

Every speaker must Prepare brief note of at least 3-4 pages along with PPT on any related topic and submit before 08-11-2020 (8.00PM)

H.O.D.
Department of Yoga Education

योग विभागाध्यक्ष